स्पाइस मनी माइक्रो एटीएम ने बैंकिंग को बनाया आसान

एजेंसी,नवज्योति/जयपुर। विश्वव्यापी कोविड.19 महामारी ने बैंकिंग, हेल्थकेयर और शिक्षा जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं को ऑनलाइन कर दिया। नतीजतन लोगों को विभिन्न आर्थिक गतिविधियों और प्लेटफॉर्म्स को अपनाने और उनके अनुकूल बनने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। संजीव कुमार सीईओ स्पाइस मनी इस वैश्विक महामारी में एक बात स्पष्ट हो गई, भारत के ग्रामीण क्षेत्र में अभी भी नकदी अर्थव्यवस्था पर आश्रित हैं। स्पाइस मनी भारत का सबसे बड़ा एटीएम नेटवर्क बनाने की दिशा में काफी तेजी से काम कर रहा है। उपयुक्त आंकड़े प्रमाण है कि ग्रामें भारत में रहने वालों के लिए एटीएम तक पहुंचना आसान नहीं है, यह एक ऐसी समस्या है जो लॉकडाउन के प्रतिबंधों के बीच और भी अधिक प्रबल हो गई थी। वर्तमान में, सम्पूर्ण भारत में स्पाइस मनी के 85,000 से अधिक सक्रिय माइक्रो एटीएम हैं और परम्परागत रूप से वित्तीय सेवा से वंचित या अल्प सेवा प्राप्त क्षेत्रों में इसके नेटवर्क में 5 लाख से अधिक अधिकारी हैं। स्पाइस मनी अभी 18,500 से अधिक पिन कोड वाले स्थानों में मौजूद है, जिनमें भारत के ग्रामीण पिन कोड्स का 95 फीसदी (7500 में से 7200) शामिल है, और हमारी योजना इसे 100 फीसदी करने की है। स्पाइस मनी मिनी.एटीएम के साथ स्पाइस मनी अधिकारियों के माध्यम से नकदी जमा और नकदी निकासी सेवा प्रदान करने के लिए हम एटीएम नेटवर्क में और ज्यादा पिन कोड्स को शामिल कर रहे हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था काफी हद तक नकदी संचालित है। इस प्रकार ग्रामीण कारोबार की निर्बाध निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए नकदी की सुलभता आवश्यक है।